साधना के प्रथम और द्वितीय चरण का अभ्यास कर सकते हैं। थकान का अनुभव अथवा कठिनाई का अनुभव होते ही साधना बन्द कर देनी चाहिए।

आप साधारण रीति से साँस लें और छोड़ें। साधारण रीति से नाम स्मरण करें। किसी से वाद-विवाद में मत उलझें। अपना समय वर्तमान के उचित और यथार्थ प्रयोग में वितावें। जब थक जावें या नींद आवे, समय हो तो आराम करें अथवा नींद लें। यही मेरी सलाह है। कुछ पूछना हो तो निःसंकोच लिखें।

प्रेम और आशीर्वाद के साथ

ह0 अद्वैतानन्द

चतुर्थ खण्ड समाप्त

परम जी द्वारा गृहस्थ के लिये 10 आदेश।

1. वर्तमान में जीयो तथा वर्तमान के संतों का आदर और देखभाल करो।
2. भगवान शिव तथा पार्वती जैसा जीवन जीयो।
3. अपने शरीर, मन तथा आत्मा की आवश्यक्ताओं पर ध्यान दो।
4. भक्त हनुमान का अनुशरण करो। वीर, ज्ञानी, अनन्य तथा सात्विक भक्त बनो।
5. धैर्य पूर्वक सुनो, अन्य को भी शांति पूर्वक अपनी बात कहो।
6. अपने कर्तव्यों का पालन अच्छी तरह करो।
7. वही कहो जो तुम कर सकते हो। जो नहीं कर सकते वह नहीं कहो।
8. सही दिशा से कमाओ, सही दिशा में खर्च करो और आनन्द में रहो।
9. भले कर्म में अपनी आय का एक से तीस प्रतिशत रखो। किसी को उसके कर्मों से जानों, बातों से नहीं।
10. अच्छे व्यक्तियों का साथ दो, सहायता करो तथा एकता रखो। बुरों को हतोत्साहित करो तथा उनका पर्दाफाश करो। अपने को समर्पित करो और मुक्ति पाओ। मेरे द्वारा बतायी गयी साधना करो। मुझमें विश्वास करो। तुम बच जाओगे।

प्रेम और आशीर्वाद के साथ

परम जी

विस्तृत जानकारी हेतु नीचे लिखे पते पर सम्पर्क करें।

देवमणि पाण्डेय - ज्ञानेन्द्र पाण्डेय
मकान नम्बर - 185, गली नं. 5
न्यू बसेलवा कॉलोनी, अपोजिट सै०-29
ओल्ड फरीदाबाद - हरियाणा
पिन - 121008
फोन नं. - 09650643722,
09560114219, 09818594511

चरणं शरणं गच्छामि

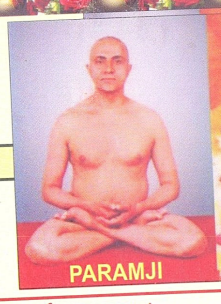

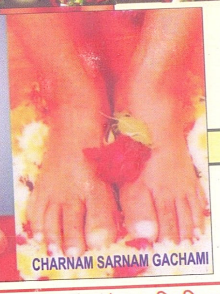

*P3Y + पुरुषार्थ = सफलता । * परमयोग + नियमितता = शान्ति ।

P3Y से मानव जीवन की अधिकतम इच्छायें पूर्ण होती हैं

* P3Y महोत्सव निमंत्रण पत्र * सीखो - करो - लाभ लो ।

P3Y से लाभ लेने हेतु - 11 - वाक्य (1से 11 वाक्य तक क्रमशः बोलो)

1. परमं शरणं गच्छामि । 2. हंसं शरणं गच्छामि । 3. अद्वैतं शरणं गच्छामि ।
4. आनन्दं शरणं गच्छामि । 5. चरणं शरणं गच्छामि ।
6. हे परम जी । 7. मुझ पर कृपा करो - मेरे परिवार पर कृपा करो ।
8. सिर झुकाकर परम जी - तथा - परम जी की अदृश्य अलौकिक शक्ति -को नमस्कार करता हूँ।
9. P3Y में अपनी शक्ति दो-आशीर्वाद दो-वर्तमान से अधिक सुखी, सम्पन्न, शांत, निरोग व आनन्द में रहूँ ।
10. इच्छा पूर्ण होते ही - पकर में - एक पैसा - परम जी के आदेशानुसार - परम जी की व्यवस्था में दूँगा ।
11. इच्छा पूर्ण होते ही - पकर में एक नये व्यक्ति को किसी भी माध्यम से P3Y सिखाऊँगा ।

* विशेष सूचना :-
1. जहाँ सभी प्रयत्न असफल रहे - फेल रहे - वहाँ भी - P3Y - सफलता देती है ।
2. सभी स्थल पर - सभी समय पर - सभी अवस्था में -सभी नर - नारी - P3Y - कर सकते हैं –लौकिक - तथा -अलौकिक - लाभ प्राप्त कर सकते हैं ।
3. P3Y - करने में कष्ट - नष्ट - ठगैती - सम्भव नहीं है । परन्तु - ठगों - तथा - चोर - डाकुओं - से सावधान रहो ।
4. P3Y - करने में खान - पान - या - शुद्ध - अशुद्ध अवस्था का कोई बंधन नहीं है ।
5. P3Y - करने में किसी प्रकार का - मानसिक - या - शारीरिक कष्ट नहीं है ।

* विस्तृत जानकारी हेतु नीचे लिखे पते पर सम्पर्क करो *P3Y साधना शिविर

देवमणि पाण्डेय - ज्ञानेन्द्र पाण्डेय
मकान नम्बर - 185, गली नम्बर - 05, न्यू बसेलवा कालोनी, अपोजिट- सेक्टर - 29
ओल्ड फरीदाबाद - हरियाणा पिन - 121008
फोन नम्बर - 09650643722, 09560114219, 09818594511

*आपको लाभ :- P3Y करो - परम जी आपकी सुखद इच्छायें पूर्ण करेंगे। संकट दूर करेंगे। व्यापार बढ़ेगा। पारिवारिक चिंता दूर होगी।

*प्रवेश निःशुल्क